

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

**जामिया मिल्लिया इस्लामिया के लॉ ग्रेजुएट्स ने लीगल, ज्यूडिसियल और प्रशासनिक सेवा
परीक्षाओं में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन; वर्ल्ड के अग्रणी विश्वविद्यालयों में किया प्रवेश प्राप्त**

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के विधि संकाय के बी.ए.एल.एल.बी. (ऑनर्स) के ग्रेजुएट्स ने अत्यधिक प्रतिस्पर्धी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए हैं, जिससे असाधारण कानूनी पेशेवरों को तैयार करने की जेएमआई की विरासत को बल मिला है।

भारत की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक मानी जाने वाली यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) 2023 में, मोहम्मद हारिस मीर ने अखिल भारतीय रैंक (एआईआर) 345 हासिल की और यूपीएससी सीएसई 2024 में एआईआर 314 तक पहुँच गए।

अरिशा नुसरत ने तेलंगाना न्यायिक सेवा परीक्षा 2024 उत्तीर्ण की, जिससे वह न्यायपालिका में एक उभरते सितारे के रूप में सामने आईं और न्यायिक अधिकारियों को आकार देने में जेएमआई की भूमिका की पुष्टि हुई।

श्रेय कुमार गर्ग ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में प्रतिष्ठित मास्टर ऑफ लॉज़ (एलएलएम) कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त किया, जो लॉ के लिए विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है। उन्होंने 8.22/9 के सीजीपीए के साथ अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया, साथ ही जेएमआई में शोध, इंटरनशिप और मेंटरशिप में भी योगदान दिया।

उल्लेखनीय रूप से, सुनिधि सचदेवा ने CLAT PG 2025 में AIR 1 प्राप्त किया, जो एक असाधारण उपलब्धि है, जिसने न केवल उनकी शैक्षणिक प्रतिभा को बल्कि शीर्ष-स्तरीय कानूनी विद्वानों को बढ़ावा देने में जामिया की भूमिका को भी रेखांकित किया। सफलता की एक और कहानी में, सुदीप कृष्णा ने UPSC केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) सहायक कमांडेंट परीक्षा में AIR 127 प्राप्त की, जिसने जामिया के स्नातकों की बहुमुखी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता को प्रदर्शित किया।

जामिया के कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ़ ने उन्हें बधाई देते हुए कहा, "हमारे विधि स्नातकों की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ उनकी कड़ी मेहनत और लगन के साथ-साथ जामिया के संकाय सदस्यों के उत्कृष्ट मार्गदर्शन का परिणाम हैं। हमें यह देखकर खुशी हो रही है कि हमारे स्नातक भारत और विदेशों में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और सार्वजनिक सेवा तथा कानूनी पेशे के क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं।"

जामिया के रजिस्ट्रार, प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी ने उपलब्धि हासिल करने वालों को अपनी शुभकामनाएँ देते हुए कहा, "हमारे स्नातकों की उपलब्धियाँ जामिया के शैक्षणिक परिवेश की सुदृढ़ता को दर्शाती हैं जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी होंगी। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे आने वाले बैच इन उपलब्धि हासिल करने वालों से सीखेंगे और विधि एवं लोक सेवा में उत्कृष्टता प्राप्त करने का प्रयास करेंगे।"

विधि संकाय के डीन, प्रो. गुलाम यज़दानी ने कहा, "हमें अपने छात्रों की उपलब्धियों पर बेहद गर्व है, जो विधिक पेशे को आकार देने में संकाय की भूमिका को उजागर करती हैं। यह देखकर संतोष होता है कि हमारे छात्र विश्व स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त कर रहे हैं और न्याय एवं शासन प्रदान करने में योगदान दे रहे हैं।"

जामिया का विधि संकाय कानूनी उत्कृष्टता, सामाजिक न्याय और नेतृत्व को बढ़ावा देने के अपने मिशन को निरंतर जारी रखे हुए है और भावी पीढ़ियों को विधिक पेशे और समाज में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रेरित कर रहा है। ये उपलब्धियाँ विधि संकाय के सुगठित शैक्षणिक वातावरण, इसके संकाय सदस्यों द्वारा समर्पित और विश्वस्तरीय शिक्षण, और संकाय में विधिक शिक्षा के प्रति समग्र दृष्टिकोण को दर्शाती हैं। मोहम्मद हारिस मीर, अरिषा नुसरत, श्रेय कुमार गर्ग, सुनिधि सचदेवा और सुदीप कृष्णा की सफलताएँ कानूनी, न्यायिक और प्रशासनिक क्षेत्रों में प्रतिभाओं को पोषित करने के प्रति जेएमआई की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी